# विधायक राइजिंग राजस्थान के एम.ओ.यू. पर कलेक्टर से नियमित बैठक करें

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर व उदयपुर संभाग के विधायकों को अटल ज्ञान केन्द्र व सद्भावना केन्द्रों पर दिशा-निर्देश दिये

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पिछले दिनों जयपुर में हुई ''राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमैंट समिट'' तभी सार्थक मानी जायेगी, जब उसके तहत हुये एमओयू धरातल पर उतरेंगे। इसके लिये विधायकों को जिला कलेक्टरों के साथ निरन्तर मीटिंग करनी होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन से सर्वांगीण विकास करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए आधारभूत विकास के साथ ही, प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लक्ष्य समाज के अन्तिम व्यक्ति को राहत पहुंचाते हुए ,उत्थान और कल्याण सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उनके निवास पर जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों से मुलाकात की।

- विधायकों के सुझावों का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत निर्माण कार्यों के बारे में निर्देश दिये

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। इसके लिए जिला प्रशासन के साथ निरन्तर बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति का फीडबैक भी लेवें। उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं को धरातल पर उतारना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों से बजट घोषणाओं के विकास कार्यों की वित्तीय स्वीकृति, जमीन आवंटन और प्रगतिरत कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विधायकों से कहा कि आमजन के कल्याण एवं क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप जनहित के विकास कार्यों की सूची बनाकर भेजें, ताकि इन्हें आगामी बजट में शामिल किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने विधायकगणों को मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों के संचालन, अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना और ''खेलो इंडिया'' अभियान की तैयारी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार के कार्यों, योजनाओं, नीतियों व उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए। शर्मा ने कहा कि विधायकों के कार्यों से ही क्षेत्र में बदलाव आता है और जनता का विश्वास कायम होता है। उन्होंने विधायकों के सुझावों का संज्ञान लेते हुए, अधिकारियों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत निर्माण कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

शर्मा ने कहा, प्रत्येक जिले में पंच गौरव कार्यक्रम के तहत एक जिला-एक उपज, एक जिला-एक प्रजाति, एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक पर्यटन स्थल और एक जिला-एक खेल की नियमित मॉनिटरिंग कर, इन्हें बढ़ावा देवें। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जारी 10 नवीन नीतियों का भी प्रचार-प्रसार किया जाए।

# गहलोत ने आनन-फानन में बनाए थे नए जिले : डॉ अरूण चतुर्वेदी

**जयपुर।** भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने सेवानिवृत्त अधिकारी की समिति की रिपोर्ट आने से पूर्व ही केवल राजनीतिक दृष्टि से वोटों की फसल काटने के लिए आनन-फानन में 17 नए जिलों की घोषणा की थी। इतना ही नहीं, गहलोत ने जिस दूदू को 3 माह पूर्व नगर पालिका बनाने की घोषणा की, उसे सिर्फ अपने चहेतों को खुश करने के लिए 3 माह के बाद जिला बना दिया।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और भाजपा विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने प्रदो कार्यालय में प्रेस को संबोधित किया।

- मुख्यमंत्री शर्मा के नए जिलों को लेकर किए गए निर्णय से आमजन खुश, मुख्यमंत्री का जताया आभार : पुष्पेंद्र सिंह राणावत

डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 5 साल तक सत्ता के संघर्ष में लगे रहे। अपनी सरकार बचाने के लिए होटलों के चक्कर लगाते रहे और चुनावी साल में आने वाली सरकार के लिए चुनौतियां खड़ी करने के लिए बिना किसी प्लानिंग के जिलों की घोषणा कर दी। कांग्रेसी नेता पिछले एक साल से जनता के बीच भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहे है। जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार एक के बाद एक संकल्प पत्र के वादों को पूरा करने में जुटी हुई है।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि ईआरसीपी को अमलीजामा पहनाने का मामला हो, यमुना जल समझौते को मूर्त रूप प्रदान करने का मामला, पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कर आरपीएससी सदस्यों को सलाखों के पीछे पहुंचाने का मामला हो, संगठित अपराध पर नकेल कंसने का मामला हो, ऊर्जा का क्षेत्र हो या फिर सरकार के पहले ही साल राइजिंग राजस्थान समिट करने का मामला हो भाजपा सरकार चरणबद्ध तरीके से कार्य पुरा कर रही है। इसके बावजूद कांग्रेसी नेता झूठ और भ्रम फैलाकर राजनीति कर रहे है।

भाजपा विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वित्तीय संसाधनों के अभाव में आनन फानन में वोट बटौरने के लिए नए जिले बनाए। जबकि राजस्थान में आजादी के बाद 2023 तक 26 से महज 7 नए जिले बनाए गए। गहलोत ने चुनावी लाभ प्राप्त करने के लिए 17 नए जिले बना दिए, यह तर्क संगत नहीं था। राणावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कैबिनेट द्वारा नए जिलों को लेकर किए गए निर्णय से आमजन खुश है। आज दूदू के लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर आभार जताया और जयपुर में शामिल करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी तरह भीनमाल के लोगों ने भी खुशी व्यक्त की। सरकार ने जिलों की प्रशासनिक, आर्थिक और भौगोलिक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए 9 जिलों को रद्द करने तथा 3 संभाग को निरस्त करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित राजस्थान 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहे है।

# तीन लेखकों का हुआ सम्मान

**जयपुर।** विरासत का गर्व करना अच्छी बात है किन्तु विरासत के सन्देश को व्यापक बनाना और उसे सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना से जोड़ना कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है। सम्भावना संस्थान ने मेवाड़ के प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना की स्मृतियों को सहेजने का जैसा अनुष्ठान किया है वह सचुमच अनुकरणीय है। सुपरिचित लेखक और निबंधकार डॉ दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने स्वतंत्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान समारोह में प्रो अवधेश प्रधान और प्रताप गोपेन्द्र को सम्मानित करते हुए कहा कि इन दोनों लेखकों ने हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को नयी पीढ़ी के लिया पुनर्नवा किया है।

आयोजन में वर्ष 2022 के लिए सोपान जोशी की कृति जल थल मल, 2023 के लिए अवधेश प्रधान की सीता की खोज और 2024 के लिए प्रताप गोपेन्द्र की कृति चंद्रशेखर आज़ाद : मिथक बनाम यथार्थ को सम्मानित किया गया। डॉ अग्रवाल, हिंद ज़िंक मजदूर संघ के महामंत्री घनश्याम सिंह राणावत, प्रो माधव हाड़ा और शहर के साहित्य प्रेमियों ने लेखकों को शॉल, प्रशस्ति पत्र और राशि भेंट कर अभिनन्दन किया। युवा शिक्षक डॉ माणिक ने सोपान जोशी, डॉ रेणु व्यास ने अवधेश प्रधान और महेंद्र खेरारू ने प्रताप गोपेन्द्र के लिए प्रशस्ति वाचन किया।

सम्मान ग्रहण करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो अवधेश प्रधान ने अपनी कृति सीता की खोज के संदर्भ में कहा कि राजनीति भूगोल की छोटी-छोटी सीमाओं में बाँटकर प्रभुत्व का दम

- स्वतंत्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान समारोह आयोजित

भर सकती है लेकिन सीता ने जन-मन में सब सीमाओं के ऊपर प्रेम और करुणा का जो भाव सेतु बाँध दिया है उसे तोड़ना किसी राज्य और सेना के बूते में नहीं है। प्रो प्रधान ने कहा कि वाल्मीकि से तुलसीदास और लोककवियों तथा लोककाव्यों ने हजारों वर्षों तक लाखों लोगों के हृदय में सीता की भावमूर्तियाँ गढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि. महाभारत, भास, कालिदास, भवभूति, तुलसीदास और लोकगीतों की सीता को खोजते हुए उन्होंने पाया कि भारतीय जनमानस में सीता की छवि अत्यंत उज्ज्वल और पावन है जो हमेशा मनुष्य जीवन को संवेदनशील और संघर्षशील बनाती रहेगी।

पुलिस सेवा के अधिकारी और लेखक प्रताप गोपेन्द्र ने कहा कि चित्तौड़गढ़ की वीर भूमि पर इस सम्मान को ग्रहण करना अविस्मरणीय अनुभव है। उन्होंने अपनी कृति के सम्बन्ध में कहा कि अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की छवि में मिथक और यथार्थ इतने अधिक घुलमिल गए हैं कि उनकी वास्तविक छवि को प्राप्त करना अत्यंत दुष्कर है। उन्होंने पुस्तक की रचना प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि अंग्रेजी शासन की पत्रावलियों और दस्तावेजों को खोजने और उनका सही विश्लेषण कर आज़ाद की वास्तविक पहचान करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण सफर रहा। इस कृति ने अनेक नवीन तथ्यों का उद्घाटन किया है जिससे आज़ाद के सम्बन्ध में प्रचलित अनेक विरोधाभासों का संधान हो सकता है।

इससे पहले आयोजन में स्वागत भाषण करते हुए संभावना के अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास ने बताया कि वर्ष नन्दवाना के शताब्दी वर्ष 2019 से प्रारम्भ हुए इसे सम्मान में अब तक कुल छह विद्वान लेखकों की कृतियों को चुना गया है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। संभावना के सदस्य डॉ गोपाल जाट को कालेज शिक्षक में चयनित होने पर डॉ ए एल जैन एवं प्रो सुरेश चंद्र राजोरा ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विजन कालेज ऑफ़ मैनेजमेंट में हुए सम्मान समारोह में के एम भंडारी, डॉ सत्यनारायण व्यास, डॉ के एस कंग, डॉ भगवान साहू, मुन्नालालडाकोत, डॉ गोविंदराम शर्मा, जी एन एस चौहान, श्रमिक नेता सत्येंद्र कुमार मोड़, राष्ट्रीय कवि अब्दुल जब्बार, अनिल जोशी, गुरविंदर सिंह, सुभाषचंद्र नन्दवाना, मनोज जोशी, जे पी भटनागर, नंदकिशोर निर्झर, कवि भरत व्यास, संतोष कुमार शर्मा, सीमा पारीक, घनश्याम सिंह चौहान, किरण सेठी ,विकास अग्रवाल, बाबूलाल कच्छावा सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। संयोजन डॉ कनक जैन ने किया और अंत में नन्दवाना परिवार की तरफ से डॉ पल्लव ने आभार प्रदर्शित किया।

## पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ मनमोहन सिंह की याद में श्रद्धांजलि सभा

**जयपुर।** पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए जयपुर शहर जिला कांग्रेस ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस जनों ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी ने कहा कि देश को विभिन्न लाभकारी योजनाएं देने वाले डॉ मनमोहन सिंह हमारे बीच में नहीं रहे लेकिन जनता को उन्होंने मनरेगा शिक्षा का अधिकार स्वास्थ्य का अधिकार सूचना का अधिकार आदि ऐसी अनेक योजनाएं दी।

# गहलोत ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिए बनाए थे नए जिले : मदन राठौड़

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि गहलोत अपनी अल्पमत सरकार को सहयोग करने वाले विधायकों को खुश करने के लिए आनन-फानन में नए जिलों की घोषणा कर दी थी, इतना ही नहीं, गहलोत ने पूर्व सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में समिति तो गठित की लेकिन नए जिलों की घोषणा के बाद स्वयं रामलुभाया ने आश्चर्य व्यक्त किया था। इसका मतलब साफ है कि गहलोत ने समिति को भी अंधेरे में रखकर विधायकों को खुश करने के लिए जिलों की रेवडियां बांटी थी ताकि उनकी अस्थिर सरकार को सहारा मिल सकें।

- 'गहलोत ने रामलुभाया समिति को भी अंधेरे में रखकर विधायकों को बांटी नए जिलों की रेवडियां'

राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी जिलों की समीक्षा करने के बाद भूपपूर्व प्रशासनिक अधिकारी ललित के पंवार की अध्यक्षता में समिति का गठन किया, मंत्री मंडल की समिति बनाई और इनकी रिपोर्ट के बाद कैबिनेट बैठक में 9 जिलें एवं 3 संभाग समाप्त करने का प्रस्ताव किया है। समिति के साथ भाजपा सरकार ने राजस्थान की भौगोलिक, सांस्कृतिक और जनसंख्या के आधार पर जनता की मांग को देखते हुए 41 जिले और सात संभाग रखने का फैसला किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गहलोत सरकार ने नए जिले तो घोषित कर दिए लेकिन उन जिलों को चलाने के लिए ना तो आर्थिक प्रबंधन किया और ना ही उनके कार्यालय संसाधन आदि की व्यवस्था की। गहलोत तो 5 साल तक सरकार बचाने में जुटे रहे। उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच शीत युद्ध जनता के सामने है। गहलोत और पायलट दोनों अपने खेमों के विधायकों को लेकर होटलों में कैम्प चलाते रहे। ऐसे में गहलोत विधायकों को संतुष्ट करने में जुटे रहे और गहलोत सरकार ने बिना गहन चिंतन किये चुनावी आचार संहिता लगने से एक दिन पूर्व अचानक नए जिलों की घोषणा कर दी। गहलोत ने ऐसे भी नए जिले बना दिए जिसकी कभी किसी ने कोई मांग तक नहीं की।

# रसायन रहित बागवानी खेती ही कारगर, प्राकृतिक उद्यानिकी खेती को बढ़ावा मिले : राज्यपाल

**जयपुर।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कृषि उद्यानिकी के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिए जाने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों को देश में रसायन रहित कृषि के लिए वातावरण निर्माण किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग से रोग ही नहीं बढ़ रहे बल्कि धरती की उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो रही है। उन्होंने उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने पानी बचाकर उसके निर्माण के लिए भी देशभर में कार्य करने का आव्हान किया।

बागडे रविवार को अखिल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय कुलपति संघ द्वारा ''उद्यानिकी फसलों के संरक्षण'' विषयक आयोजित 16 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कम पानी से होने वाली फसलों, फल, फसलों को प्राकृतिक प्रकोप से बचाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी कृषि विश्वविद्यालयों में सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए भी आवश्यक रूप से कार्य करने की आवश्यकता जताई।

राज्यपाल ने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन द्वारा 2008 में प्रस्तुत कृषि सुधारों की बनी समिति के सुझावों पर चर्चा करते हुए कहा कि लाभकारी कृषि के लिए केंद्र सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कृषि उद्यानिकी के प्राचीन ज्ञान के आलोक में कृषि की नवीन तकनीक से खेती को लाभकारी किए जाने पर जोर दिया।

बागडे ने कहा कि हमारे यहां धीरे धीरे जंगल कम होता जा रहा है। पहले अनाज जब नहीं होता था और खेती की पैदावार नहीं थी तब उद्यानिकी फसलों पर ही मनुष्य निर्भर था। पर धीरे धीरे इस दिशा में ध्यान नहीं देने के कारण जंगलों में बहुत सी उद्यानिकी फसलें लोप हो गई। उन्होंने स्थान विशेष की जलवायु के अनुरूप उद्यानिकी फसलों के अधिकाधिक उत्पादन के लिए कार्य किए जाने का आव्हान किया।

## रो. प्रशांत शर्मा अध्यक्ष नॉमिनी निर्वाचित

**जयपुर।** रोटरी क्लब जयपुर रॉयल द्वारा बुधवार को रोटरी क्लब सभागार में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकारी समिति 2025-26 और अध्यक्ष 2026-27 की घोषणा की गई। रोटेरियन प्रशांत शर्मा को सर्वसम्मति से 2026-27 के अध्यक्ष पद के लिए प्रेसिडेंट नॉमिनी घोषित किया गया। कार्यक्रम में निर्वाचन अधिकारी रो. मोहनीश मेहरा द्वारा 2025-26 की कार्यकारिणी के तहत उपाध्यक्ष के रूप में रो. राजेश विजय को चुना गया।

# विश्वकर्मा इलाके में गत्ता और प्लास्टिक की फैक्ट्री में आग

## 12 से ज्यादा दमकलों ने करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया

**जयपुर** (कासं)। राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र (वी.के.आई) में रोड नंबर 14 पर स्थित गत्ते और पानी की टंकी बनाने की दो फैक्ट्रियों में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई।

आग की जानकारी मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस और फायर अधिकारी दमकलों के साथ मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते आग ने विकराल ले लिया। दोनों फैक्ट्री से आग की ऊंची लपटें निकलने लगी। फायर-ब्रिगेड की 12 से ज्यादा गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

सीएफओ ग्रेटर गौतम लाल ने बताया कि रविवार सुबह 6.40 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से आग लगने की जानकारी मिली। वीकेआई से 5 फायर-ब्रिगेड, बनीपार्क से 2, बिंदायका से 2 और घाटगेट से 3 फायर-ब्रिगेड को मौके पर बुलाकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। सुबह 8.30 बजे तक लगभग आग को कंट्रोल करने में टीम को सफलता मिली। इसके बाद भी कई जगह से धुआं आने पर उसे पूरी तरह से बुझाने में टीमें लगी रही।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने वाली दोनों फैक्ट्री में से एक में गत्ता और दूसरी फैक्ट्री में पानी की टंकी बनती हैं। इन दोनों फैक्ट्रियों के पास में थिनर का भी गोदाम है। अगर आग की लपटें उस तक पहुंचती तो बड़े इलाके में आग फैल सकती थी। इसके चलते अग्निशमन विभाग की एक टीम ने समझदारी दिखाते हुए थिनर की फैक्ट्री खुलवाकर उसमें पानी का छिड़काव करते रहे, ताकि आग की हीट से होई नुकसान फैक्ट्री को न हो। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके की लाइट भी बंद करवाई और लोगों को फैक्ट्रियों से दूर करके आग बुझाने में मदद की।

- जिन फैक्ट्रियों में आग लगी, वहां नजदीक ही थिनर का गोदाम था, अगर आग वहां तक पहुंचती तो बड़ा हादसा हो सकता था
- अग्निशमन टीम को जैसे ही थिनर गोदाम का मालूम चला तो समझदारी दिखाते हुए एक टीम ने वहां पानी डालाना शुरू कर दिया था, ताकि आग की तपिश से यहां कोई हादसा नहीं हो

विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में रविवार सुबह गत्ता व प्लास्टिक की पानी की टंकी बनाने की फैक्ट्री में लगी भीषण आग को दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद बुझाया।

## 'संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट'

**जयपुर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात कार्यक्रम के 117वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमआर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद एवं विधायकगण के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। मोदी ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो रहे हैं। ये हमारे लिए गर्व की बात हैं। संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट है, हमारा मार्गदर्शक है।

संविधान की वजह से ही आज मैं आपसे बात कर पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि इस साल 26 नवंबर को संविधान दिवस से एक साल तक चलने वाली कई एक्टीविटिज शुरू हुई हैं। देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए 75. नाम से एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है। इसमें आप संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' में उद्बोधन सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणादायी होते हैं। उनको सुनकर नवीन ऊर्जा का संचार होता है। देश निरन्तर उपलब्धियां हासिल कर रहा है, उसको जानकर हमें गर्व की अनुभूति होती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के पथ पर तेजी से अग्रसर है।

# बीते 2 दिनों में 746 खुले बोरवेल और कुएं ढकवाए

## खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाओं को लेकर जिला प्रशासन ने दिखाई सतर्कता

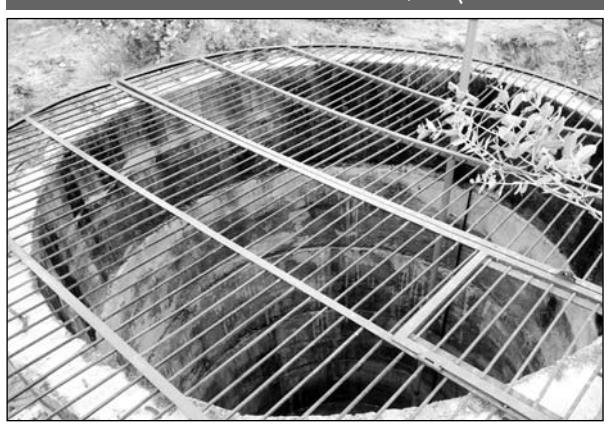

**जयपुर।** खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बेहद संवेदनशील हैं। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालन में आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं ऐसे हादसों को रोकने के लिए जयपुर जिला प्रशासन ने मुहिम के तहत विगत दो दिनों में कुल 746 खुले बोरवेल एवं कुंए ढकवाए।

अतिरिक्त कलक्टर मुकेश कुमार मूंड ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर तहसील में 13, आमेर तहसील में 30, कालवाड़ तहसील में 33, तूंगा तहसील में 69, जमवारामगढ तहसील में 24, माधोराजपुरा तहसील में 26, बस्सी तहसील में 30, चाकसू तहसील में 63, आंधी तहसील में 30, किशनगढ़- रेनवाल तहसील में 36 खुले बोरवेल एवं कुंए लोहे की प्लेट एवं जालियों से ढकवाए गए हैं। कोटखावदा तहसील में 11, सांभर तहसील में 68, जोबनेर तहसील में 16, रामपुरा डाबड़ी तहसील में 17, सांगानेर तहसील में 22, शाहपुरा तहसील में 82, चौमूं तहसील में 20, जालसू तहसील में 30, दूदू तहसील में 58, फागी तहसील में 27 और मोजमाबाद तहसील में 41 खुले बोरवेल एवं कुंए कवर करवाए गए। वहीं, राज्य सरकार के निर्देश पर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार को 328 तो वहीं 418 खुले बोरवेल एवं कुंए कवर करवाए।